नवंबर 2021

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

पूरब से पश्चिम समाजवादी क्रांति

नेताजी का जन्मदिन समारोह 04

कृषि कानूनों की वापसी : लोकतंत्र की जीत 10

दो विचारधाराओं का मिलन 42

R.N.I. No. 68832/97

परिवर्तन की लहर है। इसमें युवाओं की बड़ी भूमिका होगी। समाजवादी विचारधारा को फैलाने की सबसे ज्यादा जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है। समाजवादी आंदोलन भेदभाव मिटाने के लिए है। हमें सभी को साथ लेकर चलना है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक-संरक्षक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन
नवंबर 2021
वर्ष 23 | संख्या 01

प्रिय पाठकों,
समाजवादी बुलेटिन आपकी अपनी पत्रिका है। इसके नए और बदले कलेवर को आप सबने सराहा है। आपका यह उत्साह वर्धन हमारी ऊर्जा है। कृपया अपनी राय से हमें अवगत कराते रहें। इसके लिए आप हमें नीचे दिए गए ईमेल पर लिख सकते हैं। कृपया अपना पूरा नाम, पता एवं मोबाइल नंबर जरूर दें। हम बुलेटिन को और बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेंगे। आपके संदेश की प्रतीक्षा रहेगी।
धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित
R.N.I. No. 68832/97

अंदर

आजम साहब : संघर्ष की मिसाल 40

16 कवर स्टोरी

पूरब से पश्चिम
समाजवादी आंधी

आयोजन 04

नेताजी का 83वां जन्मदिन

समाजवादी पार्टी के संरक्षक एवं पूर्व रक्षामंत्री श्री मुलायम सिंह यादव का 83वां जन्मदिन 22 नवंबर को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ सहित देश के विभिन्न प्रांतों के पार्टी कार्यालयों और उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के पार्टी कार्यालयों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कृषि कानूनों की वापसी : लोकतंत्र की जीत 10
आधी आबादी को भा रही समाजवादी सोच 52

सपा संरक्षक का 83वां जन्मदिन

युवाओं का जोश बदलाव लाएगा : नेताजी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संरक्षक एवं पूर्व रक्षामंत्री श्री मुलायम सिंह यादव का 83वां जन्मदिन 22 नवंबर को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ सहित देश के विभिन्न प्रांतों के पार्टी कार्यालयों और उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के पार्टी कार्यालयों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए श्री मुलायम सिंह यादव ने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जन्मदिन मनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि नौजवानों में जो जोश दिखाई दे रहा है वह परिवर्तन की क्रांति लाएगा। समाजवादी पार्टी परिवर्तन की राजनीति कर रही है। इसे आप लोग कामयाब बनाएं। हम जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगे।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव समेत तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। श्री अखिलेश यादव और प्रोफेसर श्रामगोपाल यादव ने शाल ओढ़ाकर श्री मुलायम सिंह यादव को सम्मानित करके जन्मदिन पर नेताजी से आशीर्वाद लिया।

नेताओं और कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न दलों और संगठनों के नेताओं ने नेताजी को पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर 83 किलो लड्डू बांटे गये और केक काटा गया। आयोजन समारोह में सर्वश्री रामगोविन्द चौधरी, अहमद हसन, उदय प्रताप सिंह, राजेन्द्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल समेत कई अन्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नेताजी के जन्मदिन के अवसर पर समाजवादी पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश भर में कई स्थानों पर अस्पतालों, मन्दिरों और अनाथालयों में फल, भोजन व कंबल वितरण भी किया।

तस्वीरों में : नेताजी का जन्मदिन

मुलायम सिंह यादव
एक समाजवादी योद्धा

जयशंकर पाण्डेय

माननीय श्री मुलायम सिंह यादव समाजवादी आंदोलन के स्तंभ ही नहीं संवैधानिक लोकतंत्र के प्रहरी भी हैं। डॉ राम मनोहर लोहिया, राजनारायण और जनेश्वर मिश्र के नेतृत्व में समाजवादी विचारों की दीक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने गांव, गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने से कभी मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने संसदीय राजनीति के दोनों ध्रुवों को जिस साहस और कौशल से साधा वह अपने आप में विलक्षण ही कहा जाएगा।

जब वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के रक्षामंत्री रहे तो उन्होंने अपनी कार्यकुशलता से सभी को चकित किया और जब वे विपक्ष में रहे तो उन्होंने इंदिरा गांधी के आपातकाल से लेकर तमाम दमनकारी प्रशासन का साहसिक मुकाबला किया। वे न सिर्फ प्रशासनिक क्षमता में बेजोड़ हैं बल्कि सांगठनिक क्षमता में भी नायाब हैं।

मुलायम सिंह यादव उस समाजवादी आंदोलन के उत्तराधिकारी हैं जिसके पितामह आचार्य नरेन्द्र देव ने अपने सिद्धांतों से समझौता करने की बजाय अयोध्या से 1948 में उपचुनाव हारना स्वीकार किया। इसलिए आचार्य नरेन्द्र देव को लोग राजनीतिक नैतिकता का मानदंड कहते थे। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मुलायम सिंह यादव ने जब 5 दिसम्बर 1989 को पहली बार प्रदेश के मुख्यमंत्री का दायित्व संभाला तो उनके सामने विशाल चुनौती उपस्थित थी लेकिन वे तटस्थ नहीं रहे।

मुलायम सिंह संवैधानिक लोकतंत्र की मर्यादा से बंधे हुए एक समाजवादी योद्धा हैं। वे संसदीय मार्ग से देश में समाजवाद लाने की प्रतिज्ञा करने वाले राजनेता हैं। एक ओर वे संविधान की रक्षा भी करते हैं तो दूसरी ओर अपनी नीतियों में समाजवाद की हर सम्भव गुंजाइश निकालते हैं

मुलायम सिंह संवैधानिक लोकतंत्र की मर्यादा से बंधे हुए एक समाजवादी योद्धा हैं। वे संसदीय मार्ग से देश में समाजवाद लाने की प्रतिज्ञा करने वाले राजनेता हैं। एक ओर वे संविधान की रक्षा भी करते हैं तो दूसरी ओर अपनी नीतियों में समाजवाद की हर सम्भव गुंजाइश निकालते हैं। मुलायम सिंह यादव जी इस देश के पहले रक्षा मंत्री थे जिन्होंने सीमा पर शहीद होने वाले सैनिकों के शव को राजकीय सम्मान के साथ अन्त्येष्टि और तत्काल एकमुश्त धनराशि दिये जाने की व्यवस्था की।

वे जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने किसानों के दस हजार रुपए तक के कर्ज की माफी की और दिहाड़ी मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी बढ़ाई। इसी के साथ उन्होंने जातियों की जनगणना के लिए 2010 में यूपीए सरकार पर जोर डाला। जनगणना हुई लेकिन उसके आंकड़े जारी नहीं हुए।

आज फिर जाति जनगणना की मांग उठ रही है। समाजवादियों ने बांधी गांठ, पिछड़ा पावै सौ में साठ का नारा समाजवादी पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बुलन्द कर रहे हैं। श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी विजय रथ यात्रा का आम जनता में अभूतपूर्व स्वागत हो रहा है। लोकतंत्र के सामने राजतंत्र जरूर घुटना टेक देगा। यही चरण सिंह और मुलायम सिंह की राजनीतिक विरासत है जो भारतीय राजनीति का नया आख्यान रच रही है।

(लेखक सपा के पूर्व विधायक हैं)

फोटो स्रोत: गूगल

कृषि कानूनों की वापसी लोकतंत्र की जीत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि केन्द्र सरकार ने समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में मिल रहे किसानों और जनता के भारी जनसमर्थन से घबराकर तीन काले कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की है।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में 19 नवंबर को प्रेस कांफ्रेन्स में मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को हर मौके पर अपमानित किया है। सैकड़ों किसानों की सच्ची मौत के आगे झूठी माफी नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीयत साफ नहीं है, उसकी नज़र वोटो पर है। किसान और जनता इन्हें माफ नहीं करेगी। अब भाजपा का सफाया तय है।

श्री अखिलेश यादव ने आंदोलन की सफलता के लिए किसानों, नौजवानों को बधाई दी। भाजपा से सावधान रहने को चेतावनी देते हुए श्री यादव ने कहा कि तीनों कृषि कानूनों की वापसी भाजपा के अहंकार की हार और लोकतंत्र की जीत है। भाजपा सरकार को किसानों के हित से कोई मतलब नहीं। चुनाव में अपनी हार को सुनिश्चित जानकर ही भाजपा ने यह फैसला लिया है।

फोटो स्रोत: गूगल

इनका कोई भरोसा नहीं है, वह उत्तर प्रदेश चुनावों के बाद दोबारा से यह कानून ला सकते हैं।

श्री यादव ने कहा, लखीमपुर में किसानों को टायरों से कुचल दिया गया उनकी हत्या हुई, इसकी जिम्मेदारी से सरकार कैसे बच सकती है? जिस मंत्री के कारण लखीमपुर की घटना हुई, उसकी जिम्मेदारी से सरकार कैसे बच सकती है। घटना का जिम्मेदार मंत्री अभी भी केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में है। उसको अभी तक क्यों हटाया नहीं गया? किसानों को खाद, कीटनाशक के लिए लाइन लगानी पड़ रही है। पूरे प्रदेश में किसान को कहीं धान की कीमत नहीं मिली। गन्ने का बकाया मूल्य नहीं मिला। डीजल-महंगा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इसका भरोसा कौन दिलाएगा कि भविष्य में ऐसे कानून नहीं लाए जाएंगे, जो किसानों को संकट में डाले। भाजपा ने किसान विरोधी कानून वापस लेने का फैसला धोखा देने के लिए किया है। भाजपा की प्राथमिकता किसान नहीं वोट है। सरकार ने एमएसपी की अनिवार्यता नहीं लागू की।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों की पार्टी है जिसने हमेशा किसान हित के फैसले लिए हैं। समाजवादी शुरू से किसानों के आंदोलन के साथ रहे हैं। सरकार ने सबसे ज्यादा मुकदमे समाजवादी कार्यकर्ताओं पर लगाए हैं। भाजपा को हटाए बिना किसानों का भला नहीं होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसान और नौजवान जिस तरह से समाजवादी पार्टी की विजय यात्रा में सड़क पर निकले उससे लखनऊ ही नहीं, दिल्ली भी हिल गई है। इससे पहले भी भाजपा सरकार ने नोटबंदी की थी उससे अर्थव्यवस्था कहां सुधरी? बैंक की लाइन में जन्में खजांची की फिक्र किसी ने नहीं की। सिर्फ समाजवादी पार्टी उसका जन्मदिन मनाती है। भाजपा के कानून उद्योगपतियों के लिए बने हैं। महंगाई बढ़ाकर गरीब को बर्बाद कर दिया। अब किसानों-नौजवानों ने निश्चिय कर लिया है कि भाजपा को फिर सत्ता में नहीं आने देंगे।

एक दिया किसानों के नाम!

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की अपील पर दिनांक 3 नवंबर 2021 को समाजवादी पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक जनपद में किसानों और नौजवानों के स्मरण में 'स्मृति दिवस' मनाया। श्री अखिलेश यादव ने सैफई में स्वयं किसानों की स्मृति में एक दिया जलाया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि लखीमपुर खीरी में किसानों और नौजवानों को बेरहमी से जीप से कुचल कर मार दिया गया। इनकी शहादत की स्मृति में 'एक दिया जलाकर' श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

समाजवादी पार्टी लखनऊ मुख्यालय में राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी ने 'एक

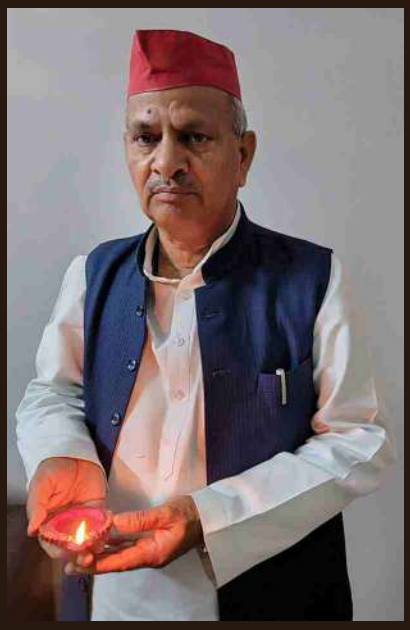

दिया' जलाकर शहीद किसानों-नौजवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने कानपुर में एक दिया जलाया। इस अवसर पर राज्य भर के अलग-अलग जनपदों में हजारों कार्यकर्ताओं ने 'एक दिया' जलाकर किसानों के प्रति श्रद्धांजलि दी।

'राजनीति के उस पार'

बुलेटिन ब्यूरो

वरिष्ठ समाजवादी नेता और सांसद प्रो रामगोपाल यादव के अमृत महोत्सव पर प्रकाशित 'राजनीति के उस पार' पुस्तक का विमोचन सुप्रसिद्ध कवि श्री कुमार विश्वास ने दिनांक 23 नवंबर को किया। इस अवसर पर प्रो रामगोपाल यादव स्वयं भी मौजूद थे।

इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में प्रो रामगोपाल यादव अमृत महोत्सव समिति द्वारा आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने की।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह ने कहा कि आज जो चुनौतियां पेश है उनमें एका की भावना की बहुत जरूरत है। उसी से विकास होता है। उत्तर प्रदेश का बहुत महत्व है। राजनीति में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति के उस पार भी राजनीति है और इस पार समय बता रहा है समाजवादी सरकार है।

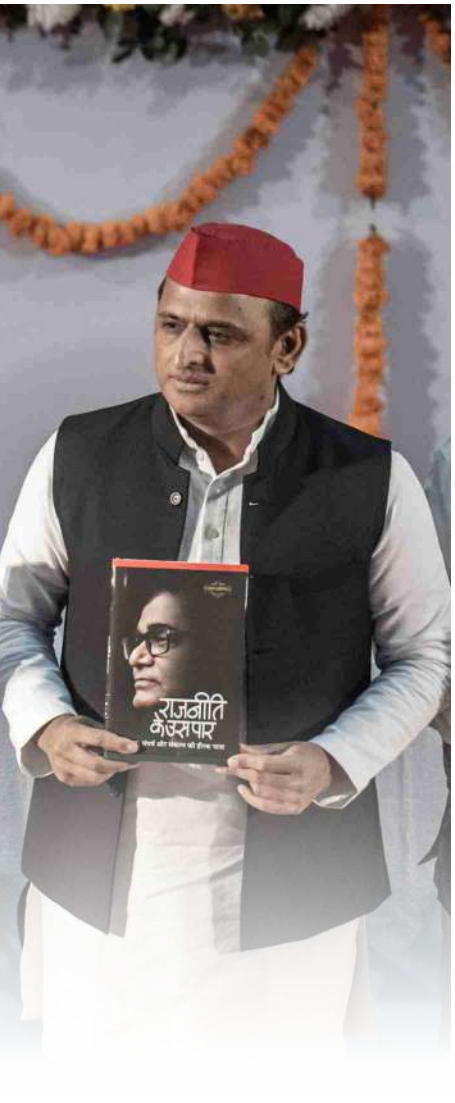

समाजवादी लोग भावुक और गरीबों की मदद करने वाले होते है। बाहर से कड़क दिखने वाले चाचा (प्रो रामगोपाल) लोगों की मदद करने वाले हैं। यह पुस्तक समाजवादियों और आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि एवं पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप ने प्रो साहब को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग के कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

पूरब से पश्चिम
समाजवादी आंधी

समाजवादी पार्टी ने नई हवा है, नई सपा है के नारे के साथ साल 2021 की शुरुआत की थी। अब जबकि यह साल खत्म होने को है और चुनाव करीब हैं, तब नई सपा की नई हवा समाजवादी आंधी में तब्दील हो चुकी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव प्रदेश में जिस दिशा की ओर निकल रहे हैं उधर ही उन्हें देखने-सुनने के लिए जन सैलाब उमड़ रहा है। पूरब से पश्चिम तक यही माहौल और नजारा है। यहां तक कि गाजीपुर से लखनऊ तक की उनकी विजय यात्रा रात भर चलती रही लेकिन लाखों की भीड़ ठंड और रात की परवाह किए बगैर उनके स्वागत के लिए पूरे यात्रा मार्ग में डटी रही। अखिलेश जी के लिए जनता की यह दीवानगी, सत्तारूढ़ भाजपा के प्रति बढ़ते जनरोष और समाजवादी पार्टी के लिए बढ़ते जन समर्थन पर पेश है **दुष्यंत कबीर** *की विस्तृत रिपोर्ट:*

पूर्वोदय

गाजीपुर से लखनऊ

तारीख और समय:
17/18 नवंबर की रात के दो बजे!

लेकिन पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर आम लोगों और समाजवादियों का रेला उमड़ रहा था। सभी की एक ही चाहत - गाजीपुर से 17 नवंबर की दोपहर को अपनी विजय यात्रा पर लखनऊ के लिए निकले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की एक झलक पाना और उनकी बातों को सुनना।

श्री अखिलेश यादव के गाजीपुर से लखनऊ तक चौथे चरण की विजय रथ यात्रा में लाखों की तादाद में जनता की उपस्थिति ने पूर्वांचल में नया इतिहास रच दिया। गाजीपुर से लखनऊ की 350 किलोमीटर के हर छोर पर समाजवादी लहरें उठ रही थीं और एक्सप्रेसवे समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे में स्वतः बदल गया था। विद्वेष भावना से इतिहास के लेख बदलने का भाजपाई षड्यंत्र जनता के विजय नाद से फिर नेपथ्य में पीछे छूटता रहा।

समाजवादी विजय रथ यात्रा की शुरुआत गाजीपुर के हैदरिया से हुई। हैदरिया में विशाल जनसभा के बाद सपा अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव रथ पर सवार हुए। रथ यात्रा में अखिलेश यादव के साथ भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, जनवादी पार्टी के अध्यक्ष संजय चौहान भी शामिल रहे। लाल टोपी लगाए और हाथों में समाजवादी झंडा लिए सपा समर्थकों में भारी उत्साह और जोश देखने लायक था। श्री अखिलेश यादव को देखने और सुनने के लिए रथ यात्रा के रास्ते में जगह-जगह समर्थकों का हुजूम उमड़ पड़ा। स्वागत और सभाओं में आम जनता, किसानों, नौजवानों, महिलाओं सहित हर वर्ग के लोग भारी संख्या में मौजूद रहे। विजय यात्रा में समाजवादी पार्टी के सहयोगी दल भारतीय समाज पार्टी और जनवादी पार्टी के समर्थक भी शामिल है। यात्रा में समाजवादी गीतों से लोगों का जोश और उत्साह बढ़ता गया।

जनसमर्थन के ज्वार में विजय रथ के पहिए बिना रुके 17 नवंबर को दिनभर और फिर रात भर चलते ही रहे। खुले आसमान के नीचे रात गहरा गई थी, ठंड ने अपने पंख फैला दिए थे तो भी पूरब के लोगों का जोश और उत्साह बेकाबू था, घंटो-घंटों बेसब्री से इंतजार होता रहा। जनसमर्थन से अभिभूत श्री अखिलेश यादव भी लोगों का अभिवादन करते रहे।

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के कई जनपदों से होकर गुजरने वाले करीब 350 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ घंटों इंतजार करते लाखों लोगों की संख्या इस बात का संकेत है कि 2022 के चुनाव में भाजपा सत्ता से कोसों दूर है। 17 नवंबर 2021 को 12:30 बजे गाजीपुर से शुरू समाजवादी विजय रथ यात्रा ने 16 घंटों में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर 350 किलोमीटर का सफर तय किया और तड़के 4:30 बजे लखनऊ में चौथे चरण की यात्रा का समापन हुआ। अखिलेश जी ने कहा है कि यह यात्रा अभी

समाजवादी

फखनपुरा की सरज़
मा. श्री अखिलेश याद
का
स्वागत एवं अभिनन्दन

थमने वाली नहीं है, समाजवादी सरकार बनने तक जारी रहेगी।

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में ऐसी घटना पूर्व में न तो किसी ने देखी और न ही सुनी। विकास और जनता के हित में किये गये विकासकार्य को आधार बनाकर श्री अखिलेश यादव द्वारा शुरू किये गये ईमानदार एवं जनपक्षधर राजनीति का व्यापक असर दिखाई दे रहा है। जनआकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में श्री अखिलेश यादव का व्यक्तित्व निर्विवाद रूप से प्रतिबद्ध है।

वीर भूमि गाजीपुर से शुरू हुयी विजय यात्रा मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, अयोध्या, बाराबंकी होते लखनऊ पहुंची। दस जनपदों की अपनी इस यात्रा के दौरान अखिलेश जी ने किसानों, गरीबों, नौजवानों के दुःखदर्द से अपने को जोड़ते हुए भाजपा की किसान, नौजवान विरोधी नीतियों का फर्दाफाश किया। किसान बदहाल है तो नौजवान के आगे बेरोजगारी का संकट है। गरीब की कहीं सुनवाई नहीं। उन्होंने कानून व्यवस्था पर भाजपा के झूठ की पोल खोली और नौजवान पीढ़ी की उपेक्षा पर आक्रोश जताया।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के विभिन्न स्थलों पर अन्नदाता का जो उत्साह दिख रहा था उससे यह स्थापित हो गया कि किसानों की आशाओं के केन्द्र में श्री अखिलेश यादव ही है। नौजवानों की आंखों में चमक यह साबित कर रही थी कि यूपी में बेरोजगारी की समस्या का अब स्थाई समाधान होगा। युवाओं को भरोसा है कि न केवल उनका रोजगार सुनिश्चित होगा बल्कि छात्रों का भविष्य भी

सुरक्षित रहेगा। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर स्वागत कर रही जनता का मानना था कि अब पलायन की अमानवीय त्रासदी से नहीं गुजरना पड़ेगा।

समाज के प्रबुद्ध वर्ग ने खुला समर्थन श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व को दे दिया है जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल हो सकेगी। सत्ता का अहंकार और झूठ-प्रपंच से भाजपा की विदाई करने का जनता ने मन बना लिया है। जननेता के स्वागत में उमड़ी जनता ने 2022 में श्री अखिलेश यादव को यूपी की बागडोर देने का निश्चिय कर लिया है। श्री अखिलेश यादव के समर्थन में उमड़े जनसैलाब ने बाइस में बदलाव पर मुहर लगा दी है और जनता का पूरा समर्थन और भरोसा समाजवादी पार्टी के पक्ष में है।

गोरखपुर से कुशीनगर
उमड़ा जन सैलाब

बुलेटिन ब्यूरो

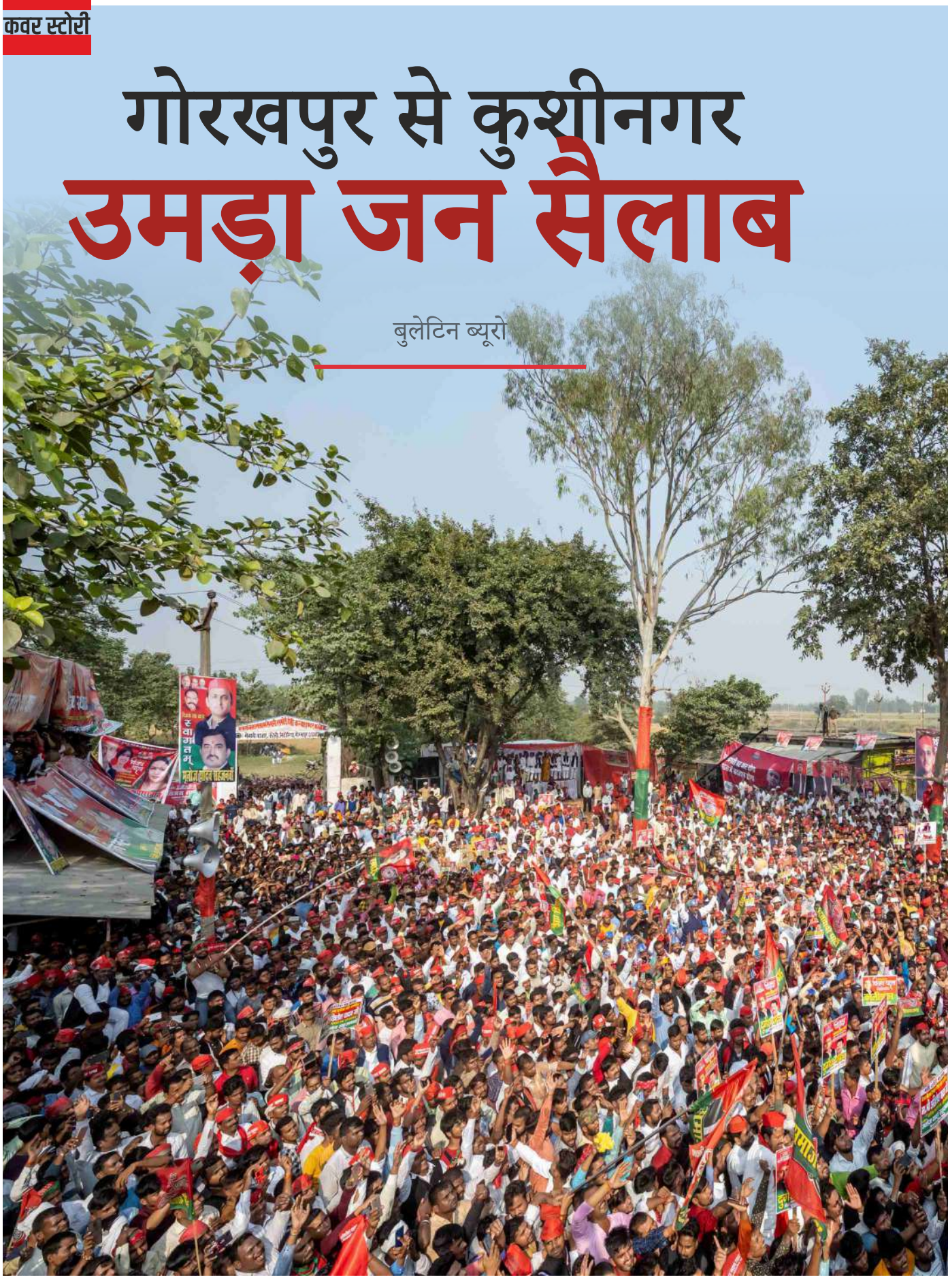

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की 13 नवंबर को गोरखपुर से कुशीनगर तक की विजय यात्रा ने पूर्वांचल के इन इलाकों में भी समाजवादी पार्टी के प्रति बढ़ते जन समर्थन की भरपूर पुष्टि की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर मे श्री अखिलेश यादव को जो व्यापक जनसमर्थन मिला, उनकी सभाओं में जैसा जनसैलाब उमड़ा, उससे समाजवादी पार्टी की सरकार आना तय है।

गोरखपुर से कुशीनगर के लिए शुरू हुई समाजवादी विजय रथ यात्रा का जगह-जगह भारी स्वागत हुआ। यात्रा को लेकर सपाइयों में जबरदस्त उत्साह रहा। सिर पर लाल टोपी और हरा लाल झण्डा लिए समाजवादी पार्टी के लाखों की संख्या में कार्यकर्ता नेता और जनसामान्य यात्रा में शामिल हुए।

श्री अखिलेश यादव के समाजवादी विजय रथ यात्रा पर सवार होते ही समाजवादियों ने गगनभेदी नारों से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर ढोल नगाड़ों और और नारों की गूंज कार्यकर्ताओं के जोश को बढ़ाने का काम कर रही थी। हर तरफ सपा के झंडे, लाल टोपी का जोर दिखाई दिया। सड़कों के दोनों किनारे पर रथ यात्रा के स्वागत के लिए भारी भीड़ रही। अखिलेश यादव के स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं और आम जनता ने गोरखपुर में कई किलोमीटर तक मानव श्रृंखला बनाई। हजारों की संख्या में आम जनता, सपा नेता और कार्यकर्ता, झंडे बैनर

लेकर जिंदाबाद के नारे लगाते हुए रथ यात्रा में शामिल रहे। विजय रथ यात्रा में नौजवानों की जबरदस्त भागीदारी रही। ऐसा उत्साह इससे पहले किसी नेता के स्वागत में नहीं देखा गया। पूरा यात्रा मार्ग समाजवादी पार्टी के नारों से गूंजता रहा।

उनकी विजय यात्रा रजही मोड़ से शुरू हुई। जगदीशपुर में उनकी विशाल जनसभा हुई। कुशीनगर के झागा बाजार, रामकोला विधानसभा क्षेत्र के कप्तानगंज बाजार से डीसीएफ चौक पर, खड्डा विधानसभा क्षेत्र के पकरियापार बाजार में भी उनका भव्य स्वागत हुआ और उनकी विशाल जनसभाएं हुईं।

श्री अखिलेश यादव ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर होगा। भाजपा की कुनीतियों से त्रस्त प्रदेश की जनता ने इस सरकार को सत्ता से हटाने का मन बना लिया है। प्रदेश में बदलाव होना तय है। उन्होंने कहा समाजवादी सरकार आने पर किसानों, नौजवानों, बुजुर्गों, महिलाओं समेत हर वर्ग का ध्यान रखा जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। भाजपा ने सभी सरकारी संस्थाओं को कमजोर किया है। भाजपा बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा दलितों, पिछड़ों को दिए गए संवैधानिक अधिकार भी छीनने की साजिश कर रही है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी विजय रथ यात्रा प्रदेश में परिवर्तन के लिए निकाली जा रही है। जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। समाजवादी पार्टी के

प्रति आम जनता, नेताओं और कार्यकर्ताओं का भरोसा बढ़ा है। श्री यादव ने कहा कि प्रदेश में समाजवादी सरकार बनने पर किसानों को सम्मान दिया जाएगा। फसलों का सही मूल्य मिलेगा। नौजवानों को नौकरी दी जाएगी। महिलाओं को पेंशन और सुरक्षा दी जाएगी। सभी वर्गों का सम्मान होगा।

श्री अखिलेश यादव ने 14 नवंबर को कुशीनगर में प्रेस वार्ता में कहा कि भाजपा सरकार किसान विरोधी, लोकतंत्र विरोधी और संविधान विरोधी सरकार है। भाजपा से ज्यादा झूठ और कोई नहीं बोलता है। प्रदेश बर्बाद हो गया है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष विधानसभा चुनावों में जनता को भाजपा और कांग्रेस दोनों का सफाया करना है। दोनों के कार्यक्रमों और सिद्धांतों में कोई फर्क नहीं है। दोनों एक ही दल हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कुशीनगर में प्रेस वार्ता के बाद फाजिलनगर, किसान पीजी कॉलेज, कसया बाजार में मालती पाण्डेय कॉलेज में आयोजित जनसभाओं को सम्बोधित किया। उन्होंने गोरखपुर और कुशीनगर में मिल रहे अपार जनसमर्थन के लिए जनता को धन्यवाद देते हुए विश्वास दिलाया कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करेंगे। उनकी सरकार आने पर कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे। सरकार बनने पर गरीबों को 5 साल तक मुफ्त अनाज देंगे।

मऊ में भागीदारी महापंचायत दिखी साझा ताकत

बुलेटिन ब्यूरो

मऊ का हलधरपुर मैदान 27 अक्टूबर 2021 को उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई पहल की इबारत लिख गया। समाजवादी पार्टी एवं उसके सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की हलधरपुर मैदान में हुई रैली में सपा के लाल-हरे झंडे और सुभासपा के पीले रंग के झंडे एकाकार हो गए और संदेश दिया कि अबकी बार पूर्वांचल में गठबंधन की यह ताकत भाजपा को उखाड़ फेंकेगी। रैली को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। सुभासपा के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश राजभर ने भी रैली में अपने विचार रखे। रैली में भारी भीड़ उमड़ी।

उल्लेखनीय है कि रैली से कुछ दिन पहले ही श्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव से लखनऊ में भेंट की। जिसमें दोनों दलों ने मिलकर 2022 का चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। श्री अखिलेश यादव एक ऐसी समाजवादी व्यवस्था की स्थापना करना चाहते हैं, जिसमें समाजवादी विचारों का व्यावहारिक स्वरुप हो। जिससे खुशहाल, समावेशी और भेद-भावविहीन समाज बन सके। इसी संकल्प को सिद्ध करने के लिए समाजवादी पार्टी सभी को साथ लेकर निरंतर आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में कमजोरों के हक की आवाज को बुलंद करने

19वाँ स्थापना दिवस

वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी के साथ कदम से कदम मिला यूपी को विकास पथ पर ले जाने के लिए तैयार है।

मऊ के हलधरपुर मैदान में आयोजित भागीदारी महापंचायत को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश का चुनाव गरीबों, किसानों और नौजवानों का भविष्य तय करने का चुनाव है। भाजपा सरकार ने सभी वर्गों को धोखा दिया है। 2022 में भाजपा का उत्तर प्रदेश से सफाया हो जाएगा। हम गरीबों, वंचितों, पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों का छीना हुआ सम्मान वापस दिलाएंगे।

उन्होंने कहा कि हम बाबा साहेब और डॉ लोहिया के सिद्धांतों पर चलने वाले लोग हैं। भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है। वह सपने दिखाती है और झूठे वादे करती है। भाजपा चुनाव में कोई भी साजिश और षड्यंत्र कर सकती है। प्रदेश के लोगों को भाजपा की साजिशों से सावधान रहना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने साढ़े चार साल में प्रदेश के लोगों के साथ अन्याय, अत्याचार किया है। किसानों का इतना अपमान कभी नहीं हुआ। भाजपा ने किसानों से उनकी आय दोगुनी करने की बात कही थी। लेकिन आय दोगुनी करने के बजाय महंगाई दोगुनी कर दी। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर समाजवादी पेंशन तीन गुना कर देंगे।

अंबेडकरनगर
पिछड़ों का इंकलाब होगा!

बुलेटिन ब्यूरो

अंबेडकरनगर जनपद के अकबरपुर स्थित भानुमति स्मारक पी.जी. कॉलेज में 7 नवंबर 2021 को आयोजित जनादेश महारैली ने पूर्वांचल की राजनीति में नए बदलावों का संदेश दिया। यह रैली पूरब में बन रहे नए और मजबूत समीकरणों की गवाह बनी जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में बसपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री श्री लालजी वर्मा एवं श्री रामअचल राजभर ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इन दोनों वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि अब उनका लक्ष्य 2022 में श्री अखिलेश यादव को दोबारा उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना है।

रैली में जबरदस्त भीड़ जुटी। आसपास के जनपदों से भी लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। रैली को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ राम मनोहर लोहिया और डॉ भीमराव अंबेडकर की विचारधाराओं पर चलने से ही समता मूलक

यूपी का ये जनादेश
आ रहे हैं अखिलेश
में बाइसिकल

समाज के निर्माण का सपना पूरा हो सकता है। उन्होंने देश की राजनीति में परिवर्तन लाने की कोशिश की थी। आज जाति-धर्म में बांटने का प्रयास हो रहा है। हमें लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए संघर्ष करना होगा।

उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी को भारी जनसमर्थन मिल रहा है। जनता में भाजपा को लेकर भारी आक्रोश है। भाजपा का सफाया होना तय है। चुनाव में पिछड़ों का इंकलाब होगा और सन् 2022 में बड़ा बदलाव होगा। बदलाव का संदेश पूरे देश में जा रहा है। जनता चार सौ सीटों पर भाजपा को हरा देगी। श्री यादव ने सपा सरकार में महंगाई से निजात दिलाने और बुनकरों-गरीबों को बिजली दरों में राहत दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि बुनकरों को फ्लैट रेट पर बिजली मिलेगी। समाजवादी सरकार में पुरानी पेंशन बहाल करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने समाज के सभी वर्गों के साथ अन्याय किया है। किसानों को बर्बाद किया है। मानवाधिकार आयोग ने पुलिस हिरासत में हुई मौतों पर सबसे ज्यादा नोटिसें उत्तर प्रदेश सरकार को दी। उन्होंने कहा इस सरकार ने गरीबों से वोट लिया, अमीरों से नोट लिया और सरकारी संपत्तियां बेच कर चोट किया। कोविड के समय भाजपा सरकार न दवा दे पाई न ही ऑक्सीजन और बेड दे पाई। कितने लोगों की तब जानें चली गईं। भाजपा सरकार में नौजवानों का भविष्य अंधेरे में है। इस सरकार के सत्ता में बने रहने का कोई औचित्य नहीं है।

पश्चिम में प्रचंड शुरुआत

मुजफ्फरनगर

महासम्मेलन में हर वर्ग के सम्मान का वादा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के श्री राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में मुजफ्फरनगर जनपद के बुढ़ाना में 11 नवंबर को आयोजित कश्यप महासम्मेलन खासा सफल रहा। श्री अखिलेश यादव को सुनने बड़ी संख्या में समाज के हर वर्ग के लोग पहुंचे। जो इस बात का संकेत दे गया प्रदेश के बाकी हिस्सों की तरह पश्चिमी यूपी के लोगों में भी श्री अखिलेश यादव के प्रति भारी आकर्षण है।

महासम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्वांचल के लोगों ने भाजपा के लिए दरवाजा बंद कर दिया है। अब पश्चिमी यूपी के लोग भी भाजपा के लिए दरवाजा बंद कर देंगे। किसान-नौजवान, पिछड़े, अगड़े, दलित, अल्पसंख्यक सभी मिलकर इस बार भाजपा का सफाया कर देंगे। श्री यादव ने कहा कि प्रदेश को गप्प वाली नहीं योग्य सरकार चाहिए।

समाजवादी सरकार बनने पर किसानों का सम्मान होगा। नौजवानों को नौकरी मिलेगी। महंगाई कम होगी। बिजली के बिल से किसानों, बुनकरों को राहत मिलेगी। सिंचाई मुफ्त होगी। पढ़ाई का अच्छा इंतजाम किया जायेगा

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में इंकलाब होगा और 2022 में बदलाव होगा। प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। समाजवादी पार्टी के साथ हर वर्ग का समर्थन है। समाजवादी सरकार बनने पर किसानों का सम्मान होगा। नौजवानों को नौकरी मिलेगी। महंगाई कम होगी। बिजली के बिल से किसानों, बुनकरों को राहत मिलेगी। सिंचाई मुफ्त होगी। पढ़ाई का अच्छा इंतजाम किया जायेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में कश्यप समाज से लेकर सभी वर्गों का सम्मान होगा। कश्यप समाज की जो 18 सूत्री मांगे हैं उन पर विचार किया जाएगा। किसान, पिछड़े, अगड़े, दलित, अल्पसंख्यकों सहित सभी वर्गों की बड़े पैमाने पर भागीदारी रहेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी परिवारवादी पार्टी है। भाजपा को अपना परिवारवाद नहीं दिखाई देता है। समाजवादी पार्टी समाजवादी परिवार हैं।

में पधारने पर आपका हार्दिक अभिनन्दन
मा0 अखिलेश यादव जी
सुधाकर सिंह कश्यप
कार्यक्रम संयोजक

हम सभी समाजवादी परिवार के लोग हैं। समाजवादी पार्टी लगातार लोगों को जोड़ने का काम कर रही है। कई छोटे दलों को भी साथ लिया है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों-नौजवानों-पिछड़ों-दलितों, अगड़ों सभी को धोखा दिया है। ये नफरत फैलाने वाले समाज में खाई पैदा करने वालें लोग है। उन्होंने कहा कि जो सरकार पिछड़ों की गिनती नहीं करा सकती है वो हक और सम्मान नहीं देगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा पिछड़ों का आरक्षण छीन रही है। समाजवादी सरकार आने पर पिछड़ों की गिनती कराकर भागीदारी और सम्मान दिया जाएगा। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार झूठ बोलने वाली, सरकारी सम्पत्तियों को बेचने वाली सरकार है। भाजपा सरकार में अन्याय और भ्रष्टाचार कई गुना बढ़ गया है। कानून व्यवस्था की तारीफ करने वाले मुख्यमंत्री जी अपने शहर में लोगों की रक्षा नहीं कर पा रहे। गोरखपुर में व्यापारी की हत्या कर दी गई।

आजम साहब संघर्ष की मिसाल

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में विधान सभा का चुनाव करीब आता जा रहा है और साथ ही समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं संस्थापकों में से एक, मोहम्मद आजम खान साहब के खिलाफ भाजपा सरकार के मनमाने रवैए से समाजवादियों के मन में वर्तमान सत्ता को उखाड़ फेंकने का संकल्प भी बढ़ता जा रहा है। चूंकि खुद आजम खान साहब संघर्ष और संगठन क्षमता की शानदार मिसाल हैं, लिहाजा समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भी उनके खिलाफ हो रही मनमानी पर लगातार न सिर्फ मुखर हैं, बल्कि इसे चुनाव का मुद्दा बनाने की भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे।

आजम साहब के संघर्ष की यह मिसाल है कि पार्टी की स्थापना के बाद से ही उन्होंने इसके विस्तार में अहम भूमिका निभाई। उनकी सांगठनिक क्षमता के सभी कायल हैं। उनकी इस क्षमता से समजवादियों को मिलने वाली प्रेरणा का ही असर रहा कि उनके खिलाफ हो रही ज्यादतियों पर विरोध जताने के लिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आजम साहब के संसदीय क्षेत्र रामपुर से राजधानी लखनऊ तक जबरदस्त साइकिल यात्रा निकाली थी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर जनपद रामपुर से लखनऊ तक चली यह साइकिल यात्रा 12 मार्च 2021 को रवाना होकर 20 मार्च को लखनऊ में संपन्न हुई। आजम साहब के समर्थन में खुद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री

फाइल फोटो

अखिलेश यादव ने रामपुर में न सिर्फ साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था बल्कि खुद भी साइकिल चलाई थी।

श्री अखिलेश यादव ने तब अपने संबोधन में कहा था कि रामपुर से चली साइकिल यात्रा से देश-प्रदेश का राजनीतिक मौसम भी जरूर बदलेगा। भाजपा की सरकार किसी सूरत में नहीं बचेगी, उसका जाना तय है। रामपुर से साल की शुरुआत पर हुए उस जोरदार आगाज का ही असर है कि जब यह साल खत्म हो रहा है तब प्रदेश में श्री अखिलेश यादव की विजय यात्रा को भरपूर जन समर्थन मिल रहा है और समाजवादी पार्टी की आंधी यूपी से भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने की ओर बढ़ रही है।

आजम साहब जैसे संघर्षशील नेता की विरासत को आगे बढ़ा रहे युवा समाजवादी अपने चुनाव अभियान में उनके खिलाफ राजनीतिक वैमनस्य के कारण की जा रही कार्रवाई को जोर शोर से उठा रहे हैं। लोगों को बताया जा रहा है कि कैसे आजम साहब और उनके परिवार सहित उनके तमाम साथियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमें लगा दिए गए हैं। उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। आजम साहब अकेले नेता है जिन पर बहुत ज्यादा मुकदमे लगा दिए गए हैं।

आजम साहब जैसे संघर्षशील नेता की विरासत को आगे बढ़ा रहे युवा समाजवादी अपने चुनाव अभियान में उनके खिलाफ राजनीतिक वैमनस्य के कारण की जा रही कार्रवाई को जोर शोर से उठा रहे हैं। लोगों को बताया जा रहा है कि कैसे आजम साहब और उनके परिवार सहित उनके तमाम साथियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमें लगा दिए गए हैं

लोगों को बताया जा रहा है कि चूंकि उन्होंने जौहर विश्वविद्यालय जैसा शानदार शैक्षिक संस्थान बनाया ताकि आने वाली पीढ़ी का भविष्य बेहतर हो इसलिए उससे चिढ़कर ही उन्हें अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा है। जनपद के अधिकारी अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर झूठे मामले तैयार करा रहे हैं, लेकिन जनता सब समझती है और समय आने पर करारा जवाब भी देगी।

श्री अखिलेश यादव भी इसे लगातार मुद्दा बनाते हुए कह रहे हैं कि हमें विश्वास है कि न्यायालय में आजम साहब की बात सुनी जाएगी और उन्हें न्याय मिलेगा।

वहीं, शीघ्र चुनाव भी होनेवाले हैं और इस सरकार की उत्पीड़न वाली मानसिकता का हिसाब जनता अपने वोट से करेगी। जनता ने आजम साहब समेत तमाम अन्य लोगों के खिलाफ की गई उत्पीड़न की कार्रवाई का जवाब अपने वोट की ताकत से इस सरकार को विदा करने का मन बना लिया है। भाजपा सरकार के मनमाने रवैए से आम लोगों के बीच उपज रही नाराजगी चुनावी मुद्दा बन चुकी है।

दो विचारधाराओं का मिलन

सामाजिक न्याय का नया व्याकरण

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश में न सिर्फ सत्ता परिवर्तन हो रहा है बल्कि सामाजिक परिवर्तन भी दस्तक दे रहा है। यह सामाजिक न्याय की शक्तियों की विराट एकता है जो देश में उभरे अब तक के सबसे बड़े किसान आंदोलन से मिलकर सांप्रदायिक ताकतों का सामाजिक अन्याय और कारपोरेट की लूट की सत्ता को उखाड़ फेंकने जा रहा है।

यह महज संयोग नहीं है कि कभी बहुजन समाज पार्टी के गढ़ रहे अंबेडकर नगर में सात नवंबर आयोजित जनादेश रैली में बड़ी संख्या में बसपा के वरिष्ठ नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हुए, बल्कि यह समय की करवट है जो भारतीय जनता पार्टी की विभाजनकारी और तानाशाही नीतियों के खिलाफ मुजफ्फरनगर की किसान महापंचायत में जाट और मुस्लिम एकता के साथ शुरू हो चुकी है।

डॉ भीमराव आंबेडकर के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए डॉ राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि उनके होने से यह लगता था कि एक दिन देश से जाति व्यवस्था समाप्त हो

सकेगी। आज समाजवादी पार्टी जिस तरह बसपा और भाजपा समेत तमाम दलों के पिछड़े और दलित नेताओं की शरणस्थली बन गई है उससे लगता है कि सपा का विजय रथ सामाजिक न्याय का रथ साबित हो रहा है। आज एक ओर देश भर के किसानों की निगाह उत्तर प्रदेश के चुनाव पर और विशेष कर समाजवादी पार्टी पर लगी हुई है कि वह किस तरह से झूठ, लूट, बुल और बुलडोजर से उन्हें बचाती है तो दूसरी ओर देश के दलितों और पिछड़ों की निगाह उन पर लगी हुई है कि वे किस प्रकार जाति आधारित जनगणना की शुरुआत करके समाज से जाति व्यवस्था का विनाश करते हैं।

अगर एक ओर देश का किसान कारपोरेट शासन के खिलाफ एकजुट हुआ है और उसने पंजाब से तमिलनाडु तक के अंतर को मिटाया है तो दूसरी ओर सामाजिक न्याय के लिए समाजवादी पार्टी देश के सबसे बड़े प्रदेश के दलितों और पिछड़ों को एकजुट करके सत्ता को चुनौती दे रही है। कारपोरेट और सत्ता के गठबंधन को तभी तोड़ा जा सकता है जब किसान, मजदूर और पिछड़ी व दलित जातियों का व्यापक गठबंधन बने। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने न सिर्फ किसान आंदोलन में प्रदेश में पहली गिरफ्तारी दी बल्कि संसद से सड़क तक जाति जनगणना का सवाल उठाकर और आरक्षण की सीमा बढ़ाने की मांग करके सामाजिक न्याय का नया व्याकरण रचा है।

उसी का परिणाम दिखा सात नवंबर की अंबेडकर नगर की जनादेश रैली में। डॉ राम मनोहर लोहिया की जन्मस्थली पर हुई इस विशाल रैली में बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री लालजी वर्मा

और रामअचल राजभर ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करके यह साबित किया है कि डॉ लोहिया और डॉ भीमराव आंबेडकर की विचारधारा का मिलन ही इस देश में लोकतंत्र को पतन से बचा सकता है और सभी को सामाजिक न्याय उपलब्ध करा सकता है।

जनादेश रैली में समाज के विभिन्न तबकों की व्यापक उपस्थिति से उत्साहित अखिलेश यादव ने साफ शब्दों में कहा, `` आगामी विधानसभा का चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। भाजपा का सफाया होना तय है। पिछड़ों का इंकलाब होगा और सन 2022 में बड़ा बदलाव होगा।" सपा अध्यक्ष ने रैली के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, `` डॉ लोहिया और डॉ आंबेडकर ने जो सपना देखा था उसे पूरा करने का समय आ गया है। आज जाति धर्म की बातें हो रही हैं। जबकि डॉ अंबेडकर ने संविधान में सबको बराबर का हक दिया है। समाजवादी पार्टी में दूसरी पार्टियों से बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। बदलाव तय है।"

डॉ राम मनोहर लोहिया एक ओर देशभक्ति के महात्मा गांधी के सिद्धांतों से आकर्षित थे तो दूसरी ओर उनके भीतर सामाजिक न्याय की भावना प्रबल थी। इसलिए वे वैचारिक स्तर पर महात्मा गांधी और डॉ आंबेडकर के बीच एक सेतु का निर्माण करना चाहते थे। महात्मा गांधी के रहते हुए वैसा कुछ नहीं कर सके लेकिन सोशलिस्ट पार्टी के गठन के बाद उन्होंने उसे परिवर्तनकारी ऊर्जा से भरने के लिए डॉ आंबेडकर से संपर्क किया। एक ओर डॉ आंबेडकर शिड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन को भंग करके उसे सर्वजन

समावेशी रिपब्लिकन पार्टी का रूप देना चाहते थे तो दूसरी ओर डॉ लोहिया समाजवाद के यूरोपीय सिद्धांत को भारतीय सामाजिक यथार्थ की ओर ढालना चाहते थे।

इसी भावना के तहत 10 दिसंबर 1955 को डॉ लोहिया ने बाबा साहेब आंबेडकर को पत्र लिखा, " प्रिय डाक्टर आंबेडकर `मैनकाइंड'(अखबार) पूरे मन से जाति समस्या को अपनी संपूर्णता में खोलकर रखने का प्रयत्न करेगा। इसलिए आप अपना कोई लेख भेज सकें तो प्रसन्नता होगी। आप जिस विषय पर चाहें लिखिए। हमारे देश में प्रचलित जाति प्रथा के किसी पहलू पर आप लिखना पसंद करें तो मैं चाहूंगा कि आप कुछ ऐसा लिखें कि हिंदुस्तान की जनता न सिर्फ क्रोधित हो बल्कि आश्चर्य भी करे। मैं चाहता हूं क्रोध के साथ दया भी जोड़नी चाहिए ताकि आप न सिर्फ अनुसूचित जातियों के नेता बनें बल्कि पूरी हिंदुस्तानी जनता के नेता बनें।"

अगर डॉ लोहिया और डॉ आंबेडकर के विचारों को मानने वाले संगठन और सिद्धांत के स्तर पर पूरे मनोयोग से मिलते हैं तो कोई कारण नहीं है कि सांप्रदायिक राजनीति को परास्त न कर सकें

इसी पत्र में डॉ लोहिया ने लिखा, "मैं नहीं जानता कि समाजवादी दल के स्थापना सम्मेलन में आपकी कोई दिलचस्पी होगी या नहीं। सम्मेलन में आप विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में आ सकते हैं। अन्य विषयों के अलावा सम्मेलन में खेत मजदूरों, कारीगरों, औरतों, और संसदीय काम से संबंधित समस्याओं पर भी विचार होगा और इनमें से किसी एक पर आपको कुछ बात कहनी ही है।"

अलग-अलग व्यस्तताओं और कार्यक्रम में तालमेल न हो पाने के कारण, वे दोनों तो नहीं मिले, लेकिन डॉ लोहिया के दो मित्र विमल मेहरोत्रा और धर्मवीर गोस्वामी ने डॉ आंबेडकर से मुलाकात की। इस मुलाकात की पुष्टि करते हुए और उसके प्रति उत्साह दिखाते हुए बाबा साहेब ने डॉ लोहिया को पत्र लिखा।

पत्र में उन्होंने लिखा, "प्रिय डॉक्टर लोहिया, आपके दो मित्र मुझसे मिलने आए थे। मैंने उनसे काफ़ी देर तक बातचीत की। अखिल

भारतीय शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन की कार्यसमिति की बैठक में मैं समिति के सामने आपके मित्रों का प्रस्ताव रख दूंगा। मैं चाहूंगा कि आपकी पार्टी के प्रमुख लोगों से बात हो सके ताकि हम लोग अंतिम रूप से तय कर सकें कि साथ होने के लिए हम लोग क्या कर सकते हैं। मुझे खुशी होगी अगर आप दिल्ली में मंगलवार 2 अक्टूबर 1956 को मेरे आवास पर आ सकें। अगर आप आ रहे हैं तो कृपया तार से मुझे सूचित करें ताकि मैं कार्यसमिति के कुछ लोगों को भी आपसे मिलने के लिए रोक सकूं।"

इतना ही नहीं डॉ लोहिया से डॉ आंबेडकर इतने प्रभावित थे कि उन्होंने उन्हें 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में होने जा रहे धर्म दीक्षा कार्यक्रम के लिए भी आमंत्रित किया। दुर्भाग्य से उन दो बड़े नेताओं के मिलने का संयोग नहीं बना लेकिन डॉ आंबेडकर और डॉ लोहिया देश और समाज हित में एक दूसरे के करीब आना चाहते थे इसके ऐतिहासिक प्रमाण मौजूद हैं। डॉ आंबेडकर के निधन के बाद डॉ लोहिया ने एक जुलाई 1957 को उनके बारे में कहा, `` मेरे लिए डॉ आंबेडकर हिंदुस्तान की राजनीति के एक महान व्यक्ति थे और गांधीजी को छोड़कर बड़े से बड़े सवर्ण हिंदुओं के बराबर। इससे मुझे संतोष और विश्वास मिला है कि हिंदू धर्म की जाति प्रथा एक न एक दिन खत्म की जा सकती है।"

अगर डॉ लोहिया और डॉ आंबेडकर के विचारों को मानने वाले संगठन और सिद्धांत के स्तर पर पूरे मनोयोग से मिलते हैं तो कोई कारण नहीं है कि सांप्रदायिक राजनीति को परास्त न कर सकें। यही वजह है कि आज बहुजन समाज पार्टी के तमाम नेता अखिलेश यादव के नेतृत्व में सत्ता परिवर्तन

जिस तरह डॉ लोहिया और डॉ आंबेडकर को सत्ता की राजनीति के साथ परिवर्तन की राजनीति की चिंता थी वैसी ही चिंता सपा के संगठन और नेतृत्व में है

और सामाजिक परिवर्तन की बड़ी संभावना देख रहे हैं। बसपा के कई दिग्गज नेता इसी उम्मीद के कारण सपा में शामिल हुए हैं। अंबेडकरनगर की रैली ने साफ संकेत दे दिया है कि अखिलेश यादव और उनके नेतृत्व में समाजवादी पार्टी न सिर्फ प्रदेश में भाजपा को हटाएगी बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को बचाने के बड़े अभियान का मजबूत स्तंभ रहेगी।

समाजवादी पार्टी और उनका नेतृत्व सदैव लोकतांत्रिक तरीके से काम करने और सत्ता में आने पर वैसा प्रशासन देने के लिए कृतसंकल्प रहा है। जिस तरह डॉ लोहिया और डॉ आंबेडकर को सत्ता की राजनीति के साथ परिवर्तन की राजनीति की चिंता थी वैसी ही चिंता समाजवादी पार्टी के संगठन और नेतृत्व में है। सपा उनके सिद्धांतों पर चलकर समतामूलक समाज बनाना चाहती है, मानवाधिकारों का पूरा सम्मान करती है। भाजपा ने देश में सात साल के शासन में और प्रदेश में पांच साल के शासन में समतामूलक समाज के लक्ष्य को बहुत क्षति पहुंचाई है। उसने एक पुलिस राज का निर्माण किया है जहां गरीबों, अनुसूचित जातियों और अल्पसंख्यकों की जान की कीमत नहीं है। लेकिन डॉ लोहिया की जन्मस्थली अकबरपुर और डॉ आंबेडकर के नाम से बने जिले अंबेडकरनगर की जनादेश रैली ने एक ऊर्जावान राजनीतिक संदेश दिया है। प्रदेश में फिर एक ऐसी राजनीति मजबूत हो रही है जो सड़क से साइबर स्पेस तक लोगों को गति देना चाहती है और साथ ही बुल, बुलडोजर और कस्टडी डेथ की संस्कृति को मिटाकर मानवाधिकारों और मौलिक अधिकारों का स्वस्थ वातावरण निर्मित करना चाहती है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

मेधा की बात
समाजवादी हैं साथ

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 28 अक्टूबर 2021 को आजमगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। तब जबकि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार अपने कार्यकाल के अंत में पहुंचकर विद्यार्थियों को टैबलेट और स्मार्टफोन देने की घोषणा ही कर रही है, तब सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव कई मौकों पर मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप देकर सम्मानित कर चुके हैं। आजमगढ़ का कार्यक्रम इसकी ताजा कड़ी थी।

आज़मगढ़ सदर विधानसभा क्षेत्र में स्थित दुर्गा जी इंटर कॉलेज में हुए लैपटॉप वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने मेधावी छात्र-छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छात्र, छात्राओं ने अपने परिश्रम से कठिन परीक्षा पास करके अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। भाजपा सरकार को इन

बच्चों का सम्मान करना चाहिए था क्योंकि उनके संकल्प पत्र में वादा था कि मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप दिया जाएगा और शिक्षा संस्थानों को वाईफाई से जोड़ा जाएगा। लेकिन साढ़े चार साल पूरे होने के बाद भी ऐसा कहीं नहीं हुआ। भाजपा सरकार के अंतिम दिनों में टैबलेट देने की घोषणा की जा रही है। बीजेपी सरकार को जवाब देना चाहिए, हम उनसे जानना चाहते हैं कि साढ़े चार साल में इन बच्चों को कौन सी टैबलेट दी गई है?

श्री यादव ने कहा कि ये बच्चे नई पीढ़ी के हैं और तकनीक इनकी आवश्यकता है। पुरानी पीढ़ी पुराने तरीके से पढ़ाई करती थी लेकिन ये नई पीढ़ी है। मुझे खुशी है कि जब हमारी सरकार थी हमने जिसको भी लैपटॉप दिया था वो सब खुश थे। समाजवादी सरकार में लैपटॉप वितरण से बच्चों की आगे की शिक्षा आसान हुई और उन्हें अपने सपने पूरे करने में मदद मिली। उत्तर प्रदेश के किसी भी गांव में चले जाइये वहां कोई न कोई लैपटॉप लाभार्थी ज़रूर मिलेगा। आज हम कुछ लैपटॉप इसलिए दे रहे हैं कि सरकार को याद आए कि उन्होंने क्या वादे किए थे। हमारा लैपटॉप खोला जाएगा तो उससे पता चल जाएगा कि किसकी सरकार आ रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज जो एंबुलेंस उत्तर प्रदेश में चल रही हैं, 102 और 108 ये किसकी देन है? इस सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था को खराब करने का काम किया। इसी तरह डायल 100 का नाम बदल कर 112 कर दिया। सिर्फ़ नाम बदल दिया इस सरकार ने। 100 नंबर थी तो पुलिस बेईमान नही थी लेकिन 112 करते ही यह सिस्टम भी भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ गया। यह नाम बदलने वाली और शिलान्यास का शिलान्यास करने वाली सरकार है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के अब कुछ दिन ही बाकी हैं। अब देश में न नौकरी है, न रोजगार, दुनिया में कहीं इतनी गरीबी नही हैं। उत्तर प्रदेश की जनता ने फैसला कर लिया है कि वह झूठा वादा करने वालों को उखाड़ फेंकेगी।

सरदार पटेल ने देश को जोड़ा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 31 अक्टूबर को भारतरत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर हरदोई में जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में सरदार पटेल के योगदान को हम भूल नहीं सकते। उन्होंने स्वतंत्र भारत में तमाम रियासतों को भारत संघ में लाने का काम किया। जूनागढ़ और हैदराबाद रियासत को देश से जोड़ने सहित भारत के एकीकरण का ऐतिहासिक कार्य लौह पुरुष सरदार पटेल ने ही किया था। सरदार पटेल किसानों की खुशहाली चाहते थे।

श्री अखिलेश यादव ने हरदोई के प्रयागराजपुर-शाहजहांपुर राजमार्ग पर ग्राम सदरपुर में सरदार पटेल की और समाजसेवी स्वर्गीय राम लाल सिंह जी की प्रतिमाओं का अनावरण किया। उनका

बांगरमऊ और माधवगंज में भव्य स्वागत हुआ। लखनऊ से हरदोई के रास्ते पर जगह-जगह नौजवान, बुजुग, महिलाएं और अल्पसंख्यक समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्र होकर उनके अभिवादन में नारे लगा रहे थे।

श्री अखिलेश यादव ने जनसभा में कहा कि भाजपा झूठ की बुनियाद पर सत्ता में आई थी लेकिन अब उसकी पोल खुल गयी है। वंचित समाज के साथ भाजपा ने धोखा किया है। उत्तर प्रदेश की जनता परिवर्तन करने के लिए तैयार है। पिछड़े, अति पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक भाजपा को सत्ता से बाहर कर देंगे। 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर ही प्रदेश में तरक्की और खुशहाली का रास्ता खुलेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों को दुखी कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में किसानों की आय को दोगुना करने का वादा पूरा नहीं किया। आज उत्तर प्रदेश में हालात ऐसे हो गए हैं कि कई स्थानों पर किसान ने खाद के इंतजार में लाइन में खड़े-खड़े दम तोड़ दिया।

श्री अखिलेश यादव ने जनसभा में कहा कि भाजपा झूठ की बुनियाद पर सत्ता में आई थी लेकिन अब उसकी पोल खुल गयी है। वंचित समाज के साथ भाजपा ने धोखा किया है। उत्तर प्रदेश की जनता परिवर्तन करने के लिए तैयार है

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने व्यापारियों का काम ठप कर दिया और नौजवान का रोजगार छीन लिया, उनको न्याय दिलाना है। भाजपा ने हर वर्ग के साथ धोखा किया है।

समाजवादी पार्टी हर वर्ग को साथ लेकर चल रही है। पिछड़ों, अतिपिछड़ों और दलितों ने भाजपा की सरकार बनवाई उसके बाद भी भाजपा ने उनका हक खा लिया। प्रदेश की जनता बहुत दुखी है। जनता ने भाजपा का सफाया करने का मन बना लिया है।

सरदार पटेल का विचार दर्शन
और अखिलेश यादव की समाजवादी दृष्टि

राजेन्द्र चौधरी
पूर्व कैबिनेट मंत्री, राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी

स्वतंत्रता आंदोलन में लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल राष्ट्र के बड़े नेता थे जिन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधने के साथ किसान आंदोलन को लक्ष्य तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनकी सांगठनिक क्षमता का निर्विवाद रूप से सभी लोहा मानते थे। सामाजिक सौहार्द की मजबूती के लिये बतौर गृहमंत्री सरदार पटेल ने कट्टरपंथी संगठनों पर प्रतिबंध लगाकर समूचे समाज में भरोसा पैदा किया।

सरदार पटेल का पूरा जीवन अन्याय एवं शोषण के खिलाफ लड़ाई के लिये समर्पित रहा। आजादी के बाद विभिन्न रियासतों में बिखरे भारत के भू-राजनैतिक एकीकरण में सरदार पटेल ने केन्द्रीय भूमिका निभाई। सरदार पटेल भेदभाव के प्रबल विरोधी थे। स्वतंत्रता संग्राम में सरदार पटेल ने गुजरात के खेड़ा में 1918 में अंग्रेज सरकार द्वारा लगाए गए भारी कर में छूट के लिये किसानों द्वारा किये गये आंदोलन का नेतृत्व महात्मा गांधी के साथ किया था। इसके बाद 1928 में गुजरात के बारदोली में हुये किसान आंदोलन का उन्होंने सफल नेतृत्व किया। यह आंदोलन प्रांतीय सरकार द्वारा किसानों के लगान वृद्धि के खिलाफ था।

महात्मा गांधी द्वारा स्वतंत्रता की मांग करते हुए किये गये सभी आंदोलन, जैसे असहयोग आंदोलन, स्वराज आंदोलन, दाण्डी यात्रा, भारत छोड़ो आंदोलन में सरदार पटेल ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। कराची कांग्रेस अधिवेशन में सरदार पटेल की अध्यक्षता में ही पूर्ण स्वराज के लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प लिया गया था। किसानों और मजदूरों से जुड़े मुद्दे, किसानों को कर्ज से राहत और सूदखोरों पर नियंत्रण, मजदूरों के लिये बेहतर सेवा शर्तें, महिला मजदूरों की सुरक्षा तथा काम के नियमित घंटे, मजदूरों और किसानों को अपनी

यूनियन बनाने की स्वतंत्रता, लगान और मालगुजारी में उचित कटौती, अलाभकारी जोतों को लगान से मुक्ति और शोषण की समाप्ति एवं राजनीतिक आजादी के साथ-साथ आर्थिक आजादी के लिये लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई आजीवन संघर्षरत रहे और सभी को न्याय दिलाने का सार्थक प्रयास किया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के मूल्यों के प्रति गहरी आस्था है। स्वतंत्रता संग्राम के महापुरूषों के जीवन दर्शन को आगे बढ़ाने में समाजवादी पार्टी प्रतिबद्ध रही है। समाजवादियों का स्वतंत्रता आंदोलन से गहरा संबंध रहा है। 1942 की अगस्त क्रांति और भारत छोड़ो आन्दोलन के स्वतंत्रता आन्दोलन में सोशलिस्टों ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। नौ अगस्त 1942 को प्रतिबन्ध के बाद भी बम्बई में हजारों देशभक्तों ने राष्ट्र ध्वज फहराने का प्रयास किया जिसका अंग्रेजी हुकूमत ने क्रूरता से दमन किया था। सोशलिस्ट नेत्री अरुणा आसफ अली ने ग्वालिया टैंक अगस्त क्रांति मैदान में तिरंगा फहराया। इस आन्दोलन का संपूर्ण संचालन आचार्य नरेंद्र देव, जेपी, लोहिया, अच्युत पटवर्धन, युसूफ मेहर अली सहित महिलाओं ने भी अंग्रेजी प्रतिरोध का डट कर मुकाबला किया और जेल भी गयीं। डा.राम मनोहर लोहिया अगस्त क्रांति को बेहद महत्वपूर्ण मानते थे।

देश में सबसे ज्यादा परिश्रमी, ईमानदार हमारे किसान-मजदूर-बुनकर भाई हैं। परन्तु मौजूदा भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा किसान-मजदूर-बुनकर, कुटीर उद्योगधंधे करने वाले किसानों का शोषण उत्पीड़न किया जा रहा है। लगातार बढ़ती महंगाई से अन्नदाता सबसे ज्यादा गरीब हो गये हैं। आर्थिक तंगी के कारण वह आत्महत्या कर रहे हैं। किसानों की फसल का लाभकारी मूल्य, न्यूनतम समर्थन मूल्य और फसलों के बकाया भुगतान की मांग जैसे मुद्दों पर आवाज उठाने पर भाजपा सरकार फर्जी मुकदमों और लाठी-गोली से दमन कर रही है। भाजपा राज में हिरासत में मौतों तथा फर्जी एनकाउंटर का क्रम जारी है।

सरदार पटेल के आदर्शों को जीवंत रखने के लिए हम सभी को देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द को सशक्त करने का संकल्प लेना चाहिए।

किसानों-मजदूरों द्वारा आर्थिक गैर-बराबरी दूर करने की सरकार से मांग करने पर उत्पीड़न किया जा रहा है। अन्नदाता को भाजपा के नेता-मंत्री अपमानित कर रहे हैं। किसानों को फसल का लागत मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। भाजपा सरकार किसानों-मजदूरों का लगातार शोषण कर रही है। उनकी आवाज दबाने के लिए उन्हें गाड़ियों से कुचला जा रहा है। विपक्ष के नेताओं पर अलोकतांत्रिक तरीके से तमाम बंदिशें लगाई जा रही हैं।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी विचारधारा की सरकार में ही सभी वर्गों के कल्याण की योजनायें लागू होती हैं और किसानों को उनका हक एवं सम्मान मिलता है। श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में किसानों-मजदूरों के अधिकार की लड़ाई को लक्ष्य तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु समाजवादी खेत-खलिहान, कुटीर उद्योग बचाओं-रोजगार दो, किसान-नौजवान, पटेल यात्रा का सफल आयोजन हुआ जिसको अभूतपूर्व समर्थन मिला। किसानों एकबद्ध होकर समाजवादी नीतियों को समर्थन दिया। श्री अखिलेश यादव पर ही सबका भरोसा है।

सन् 2022 में समाजवादी सरकार बनाने और भाजपा को हराने के लिए सभी संकल्पबद्ध हैं क्योंकि यह एक ध्रुव सत्य है कि समाजवादी पार्टी की सरकार में ही गांव-खेती के लिए 75 प्रतिशत धनराशि बजट में रखी गई थी। किसानों को बिजली में रियायत के साथ मुफ्त सिंचाई सुविधा भी मिली थीं जनता अब उसी शुभ दिन 2022 का इंतजार कर रही है जब श्री अखिलेश यादव के हाथों में प्रदेश की बागडोर होगी।

सरदार पटेल के आदर्शों को जीवंत रखने के लिए हम सभी को देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द को सशक्त करने का संकल्प लेना चाहिए। अन्नदाता के चेहरे पर मुस्कान लाने और खेत-खलिहान की खुशहाली के लिये उत्तर प्रदेश में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व की सरकार बेहद जरूरी है। लौह पुरुष के सपनों का भारत बनाने के लिये समाजवादी धारा के यशस्वी नायक श्री अखिलेश यादव पूरी निष्ठा और ईमानदारी से राजनीति को जनपक्षधर बनाने के लिए समर्पित एवं प्रतिबद्ध हैं।

आधी आबादी को भा रही समाजवादी सोच

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय एवं प्रदेश इकाइयों द्वारा पूरे सूबे में महिलाओं के बीच लगातार चलाए जा रहे कार्यक्रमों का बेहद सकारात्मक असर हो रहा है। इन कार्यक्रमों से यूपी की आधी आबादी के बीच समाजवादी सोच काफी लोकप्रिय हो रही है।

इन कार्यक्रमों के तहत कहीं जागरूकता सम्मेलन का आयोजन हो रहा है तो कहीं जनसंवाद कार्यक्रमों का। इसी कड़ी में सपा सरकार बनाने की अपील के साथ प्रयागराज में महिलाओं की साइकिल रैली भी निकली। जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने भी हिस्सा लिया।

कहीं जागरूकता सम्मेलन का आयोजन हो रहा है तो कहीं जनसंवाद कार्यक्रमों का। इसी कड़ी में सपा सरकार बनाने की अपील के साथ प्रयागराज में महिलाओं की साइकिल रैली भी निकली। जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने भी हिस्सा लिया

समाजवादी पार्टी की महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह की अध्यक्षता में हंडिया प्रतापपुर विधानसभा से हजारों की संख्या में महिलाओं ने यह साइकिल रैली निकाली। श्रीमती जूही सिंह जन संवाद कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कह रही हैं कि देश व प्रदेश के जनता की गाढ़ी कमाई को भाजपा सरकार अपना प्रचार कराने के लिए प्रयोग कर रही है। मंहगाई से पीड़ित जनता

आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश से भाजपा को हराकर इसका जवाब देगी। महिलाओं के साथ युवाओं का समूह उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाने के लिए पूरे उत्साह से सक्रिय है।

महिलाओं की सुरक्षा और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सपा सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिया। हम सभी को फिर से वही दौर वापस लाना है और श्री अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना है जिससे प्रदेश में फिर से विकास और खुशहाली की राह मजबूत हो सके।

उधर समाजवादी महिला कार्यकर्ता जागरूकता सम्मेलनों में मुख्य अतिथि महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती लीलावती कुशवाहा बता रही हैं कि कैसे महंगाई से महिलाओं की कमर टूट गई है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा भाजपा सरकार का खोखला साबित हुआ है।

बेटी विरोधी सरकार चल रही है महिलाओं के साथ बलात्कार हत्या जैसे संगीन अपराध हो रहे है और किसी की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। प्रदेश में महिला बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है महिलाएं अपना और अपने परिवार का नाम वोटर लिस्ट में जरूर देख ले। 18 वर्ष की उम्र की बेटियों के नाम अवश्य बढ़वा ले। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुरक्षा व सम्मान सिर्फ समाजवादी सरकार में मिलेगा।

सपा है तो भरोसा है!

बढ़ता जा रहा समाजवादी कारवां

बुलेटिन ब्यूरो

विधानसभा के चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, समाजवादी पार्टी के प्रति भरोसा भी बढ़ता जा रहा है। न सिर्फ आम लोगों का भरोसा, बल्कि अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं का भी समाजवादी पार्टी में शामिल होने का सिलसिला लगातार जारी है।

इसी क्रम में 29 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर जनपद के पूर्व राज्यसभा सांसद श्री हरेन्द्र मलिक तथा पूर्व विधायक श्री पंकज मलिक कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। उसी दिन गोवर्धन मथुरा के पूर्व प्रमुख श्री विनोद चौधरी एवं बसपा छोड़कर मुजफ्फरनगर के पूर्व प्रत्याशी लोकसभा श्री जिल्ले हैदर तथा जनपद बलरामपुर के पूर्व विधायक श्री राम सागर अकेला भी सपा के सदस्य बन गए।

एक भाजपा तथा 6 बसपा विधायकों ने 30 अक्टूबर को बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बसपा छोड़कर जिन विधायकों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की उनके नाम है सर्वश्री असलम अली हापुड़, श्रीमती सुषमा पटेल जौनपुर, हाकिम लाल बिंद प्रयागराज, मुजतबा सिद्दीकी प्रयागराज, हरगोविन्द भार्गव सीतापुर और मोहम्मद असलम राईनी एडवोकेट श्रावस्ती। भाजपा के सीतापुर से विधायक श्री राकेश राठौर भी सपा में शामिल हुए।

दिनांक 15 नवंबर को तुलसीपुर बलरामपुर के पूर्व बसपा प्रत्याशी श्री अकील अहमद, यासीन गाजी उपाध्यक्ष अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी छात्र संघ बुलन्दशहर तथा अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र मिश्रा एवं श्री प्रखर कलहंस समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

दिनांक 23 अक्टूबर को भिनगा जनपद श्रावस्ती के हाजी रिजवान बसपा छोड़कर

और महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी श्री मनोज कुमार शुक्ला (बबलू भइया) के साथ अनेक व्यापारी नेता, प्रधान, पूर्व प्रधान सहित 211 लोगों ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। वहीं 24 अक्टूबर को बस्ती जनपद से ब्लाक प्रमुख बहादुरपुर श्री राम कुमार ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ भाजपा छोड़कर सपा की सदस्यता ग्रहण की। उसी दिन रायबरेली के वरिष्ठ भाजपा नेता तथा पूर्व विधायक श्री शिव गणेश लोधी के पुत्र श्री राहुल लोधी के साथ उनके समर्थकों ने भाजपा छोड़कर सपा की सदस्यता ली। 10 नवंबर को झांसी सदर विधान सभा सीट से बसपा प्रत्याशी रहे श्री सीताराम कुशवाहा के साथ उनके तमाम साथी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

9 नवंबर को बसपा छोड़कर पीलीभीत की श्रीमती दिव्या गंगवार और चौधरी प्रदीप

सिंह पटेल के साथ रविशंकर गंगवार, बृजेश गंगवार तथा भाजपा छोड़कर श्री हरिओम उपाध्याय, पूर्व मंत्री जालौन सपा की सदस्यता ग्रहण की।

वहीं बसपा छोड़कर जनपद महाराजगंज के सिसवा बाजार के पूर्व पार्षद श्री प्रमोद शर्मा सपा में शामिल हो गए। 8 नवंबर को भारतीय सामाजिक न्याय मोर्चा और जनता दल लोकतांत्रिक के तमाम पदाधिकारी एवं सदस्य समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने सन् 2022 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

फोटो स्रोत: गूगल

समाजवादी पार्टी की मांग

निर्वाचन आयोग निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करे

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने अपेक्षा की है कि प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के सिलसिले में चुनाव आयोग द्वारा की जा रही तैयारियों के मामले में हर स्तर पर पारदर्शिता बरती जाए।

इस क्रम में समाजवादी पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली को पत्र लिखकर मांग की है कि मतदेय स्थलों का पुनः भौतिक सत्यापन के पश्चात आपत्ति के लिए कम से कम एक सप्ताह का समय दिया जाए। साथ ही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की अवधि को बढ़ाकर 31 दिसंबर 2021 तक कर दिया जाए, जिससे कि दावे और आपत्ति का सत्यापन किया जा सके।

सपा की ओर से यह मांग भी की गई है कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2022 में प्रत्याशी अथवा निर्वाचन अभिकर्ता की मांग पर विधान सभा के प्रत्येक मतदान केन्द्र में प्रयुक्त ईवीएम मशीन के वीवीपीएटी कागज पर्चियों का

अनिवार्य रूप से सत्यापन कराया जाए, जिससे स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक चुनाव सम्पन्न हो सके।

प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने कहा है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 15 नवंबर 2021 को पत्र संख्या 732 के द्वारा प्रदेश के समस्त जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजे गए निर्देश में मतदेय स्थलों का पुनः भौतिक सत्यापन कराने का निर्देश दिया गया है, "जिसमें सम्भाजन के उपरान्त भवन वर्षा/बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गये हो, अथवा किसी अन्य अपरिहार्य कारणों से उन मतदेय स्थलों के भवन में परिवर्तन आवश्यक हो।"

उपरोक्त निर्देश की जानकारी राजनीतिक दलों को नहीं दी गई, तथा "अन्य अपरिहार्य कारणों" की स्पष्ट व्याख्या भी नहीं की गई है, जबकि पिछले माह में मतदेय स्थलों के सम्भाजन प्रस्ताव को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है। लिहाजा यह गंभीर विषय है।

समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि प्रदेश के सभी जनपद की प्रत्येक विधान सभा में मतदेय स्थलों के जो भी संशोधन प्रस्ताव हों कम से कम एक सप्ताह पूर्व राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराया जाए, जिससे कि राजनीतिक दलों के लोग संशोधन प्रस्ताव का भौतिक सत्यापन कर सके तथा आवश्यकतानुसार आपत्ति तथा सुझाव दे सके और प्रदेश में आगामी विधान सभा निर्वाचन-2022 स्वतंत्र, निष्पक्ष सम्पन्न हो सके।

एक अन्य पत्र में मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश, लखनऊ को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने

फोटो स्रोत: गूगल

पुनरीक्षण मतदाता सूची अब तक उपलब्ध न कराए जाने की शिकायत की है।

21 नवंबर को लिखे अपने इस पत्र में उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर प्रदेश के सभी जनपद के प्रत्येक विधानसभा के प्रत्येक बूथ (मतदेय स्थल पर दिनांक 16 जनवरी 2020-21 से 31 अक्टूबर 2020-21 तक मतदाता सूची के निरन्तर पुनरीक्षण में मतदाता सूची में जोड़े गये नाम, काटे गये नाम, संशोधित किये गये नाम की सूची राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराने के आदेश दिये गये थे।

बावजूद इसके कई अन्य जनपदों में आज तक सूची नहीं दी गई है।

श्री पटेल ने कहा है कि प्रदेश की अधिकतर विधानसभा के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के दौरान प्राप्त दावे और आपत्ति की सूची का प्रदर्शन नहीं हो रहा है।

समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों व आदेशों को जनपदों में प्रभावी ढंग से लागू कराया जाए।

उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा मतदाता सूची में जोड़े गये नाम, काटे गये नाम की सूची राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराने की मांग पर निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश के समस्त जिला निर्वाचन अधिकारी को उक्त सूची को राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराने का आदेश निर्गत किया था।

दरअसल, प्रदेश के सभी जनपदों की प्रत्येक विधान सभा के प्रत्येक बूथ (मतदेय स्थल) पर 16 जनवरी से 31 अक्टूबर तक मतदाता सूची में निरन्तर पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रदेश स्तर पर मतदाता सूची में 21,56,267 नाम जोड़े गये और 16,42,756 नाम काटे गये। बड़ी संख्या में नाम जोड़े और नाम काटे गये, जिसके सत्यापन के लिये राजनैतिक दलों को सूची नहीं दी गयी थी, जबकि पिछले चुनाव तक उक्त सूची राजनैतिक दलों को दी गयी थी।

नोटबंदी का खजांची हुआ पांच का!

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा सरकार द्वारा बगैर सोच-विचार के जनता पर लादी गई नोटबंदी के दौरान बैंक की लाइन में पैदा हुए कानपुर देहात के बालक खजांची का पांचवां जन्मदिन दिनांक 9 नवंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर मनाया गया।उल्लेखनीय है कि बच्चे को खजांची नाम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने दिया था। उसके हरेक जन्मदिन पर सपा मुख्यालय पर आयोजन होता रहा है।

9 नवंबर को आयोजन के बाद मीडिया से वार्ता में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कायदे से तो भाजपा को खजांची का

जन्मदिन मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के गलत फैसलों से अर्थव्यवस्था की हालत खराब हो गई है। लोगों को अपने पैसों के लिए लाठियां खानी पड़ी। अपमानित होना पड़ा। लोगों की जानें चली गई। देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी फैली।

श्री यादव ने कहा कि नोटबंदी करते समय भाजपा सरकार ने भरोसा दिलाया था कि काला धन आएगा, भ्रष्टाचार खत्म होगा। सरकार बताए कि काला धन लेकर कौन चला गया? भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि नोटबंदी के क्या फायदे हुए? भाजपा सरकार ने नोटबंदी बड़े लोगों और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने, जनता को परेशान करने और अपनी तानाशाही जताने के लिए किया।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी संस्थाओं को नष्ट कर दिया है। भाजपा ने यूपी को बर्बाद कर दिया। साढ़े चार साल में प्रदेश को पीछे धकेल दिया। आज किसान व्यापारी, नौजवान, छात्र आत्महत्या करने पर विवश है।

उत्तर प्रदेश सरकार पर आज किसी को भरोसा नहीं है। उसकी भेदभाव और नफरत की राजनीति से सभी लोग नाराज हैं। हर स्तर पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। भाजपा के खिलाफ जनता में भारी आक्रोश है। 2022 में बदलाव होना तय है। समाजवादी पार्टी पर जनता का भरोसा है। अगली सरकार समाजवादी पार्टी की ही बनना तय है। समाजवादी साइकिल ही अब उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाएगी।

सपा उत्तराखंड की सभी सीटों पर लड़ेगी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी उत्तराखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 8 नवंबर को देहरादून में समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय में हुई। उत्तराखंड प्रभारी और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी उत्तराखंड की सभी 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को सही दिशा में ले जाने का है। उत्तराखंड में समाजवादी पार्टी ही राजनैतिक विकल्प है। जिस उद्देश्य के साथ उत्तराखंड राज्य का निर्माण हुआ वह आगे नही बढ़ सका। प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं ने उत्तराखंड में विकास का झूठ फैलाया।

श्री राजेन्द्र चौधरी ने कहा उत्तराखंड की समस्या राजनैतिक अस्थिरता के कारण विकराल होती जा रही है। पलायन और बेरोजगारी की समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। लोगों के पास काम नहीं है। नौजवानों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। सत्ताधारी सरकारों की किसान विरोधी नीतियों से अन्नदाता परेशान है। पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। सड़कें बदहाल हैं।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इन सभी मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्व काल में जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में समृद्धि एवं खुशहाली की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए थे उसी प्रकार उत्तराखंड में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन एवं पर्यटन की बेहतरी को प्राथमिकता दिलाने का कार्य होगा।

श्री चौधरी ने कहा कि संविधान प्रदत्त अधिकारों को नष्ट कर भाजपा सत्ता पर कब्जा करना चाहती है। इससे जनता को

सचेत रहना होगा। समाजवादी पार्टी की ईमानदार कोशिश रहेगी कि लोकतंत्र मजबूत रहे और उत्तराखंड में विकास एवं खुशहाली का रास्ता मजबूत बने। उत्तराखंड देवभूमि है यहां की राजनीति में नैतिक पक्ष सर्वोपरि होना चाहिए लेकिन भाजपा इसके विपरीत आचरण करती है।

राज्य कार्यसमिति की बैठक में राज्य निर्माण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए समाजवादी पार्टी का राजनैतिक प्रस्ताव पारित हुआ। बैठक की अध्यक्षता उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष डॉ सत्यनारायण सचान ने की। इस अवसर पर प्रदेश समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों समेत अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

उत्तराखंड यात्रा के क्रम में श्री राजेन्द्र चौधरी ने देहरादून के जौलीग्रांट में जौनसार बावर जनजाति के पारंपरिक नृत्य कर्मी दल पौराणिक लोक कला मंच, जौनसार से भेंट कर उन्हें प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। श्री चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भारतीय लोककलाओं, जनजातीय संस्कृति के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। उत्तराखंड से उनका भावनात्मक लगाव है।

इसके अलावा श्री चौधरी गोपाष्टमी पर्व के अवसर पर ऋषिकेश के मुनि की रेती स्थित दर्शन महाविद्यालय, शिवानंद नगर में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए। श्री चौधरी ने कहा कि महाविद्यालय के कार्यक्रमों में शामिल होना सौभाग्य की बात है। यहां के बच्चों का मर्यादित और अनुशासित जीवन प्रेरणादायक है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक सर्वश्री संजय शास्त्री, अध्यक्ष श्री वंशीधर पोखरियाल आदि मौजूद रहे।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

श्री जयंत चौधरी जी के साथ बदलाव की ओर

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा उप्र में अपने 'चार सौ तीन' मुख्यमंत्री भी घोषित कर दे तो भी जनाक्रोश के डर से उसे 'चार से तीन' टिकट माँगनेवाले भी न मिलेंगे।

जो भाजपा साफ़ दिख रही है हारती
उसको भला कैसे मिलेंगे 'टिकटार्थी'

भाजपा से त्रस्त उप्र की जनता भाजपा को एक-एक वोट के लिए तरसा देगी।

#भाजपा_ख़त्म

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

महान समाजवादी विचारक व शिक्षाशास्त्री आचार्य नरेन्द्र देव जी की जयंती पर शत-शत नमन।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सपा में 99% बन चुके बांध को भाजपाई 5 साल में पूरा कर पाये पर श्रेय लेने तुरंत दौड़े आए। बेरोज़गारी-महंगाई से त्रस्त बुंदेलखंड पूछता है कोरोना में प्रसव पीड़ा से तड़पती व एक बच्चे को अटैची पर ले जाने को मजबूर माँ के समय कहाँ थे ये 'कैंचीजीवी'।

बुंदेलखंड पुकारता
नहीं चाहिए भाजपा

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ग़ाज़ीपुर से लखनऊ तक उमड़ी जनता के जोश ने दिखा दिया है कि सपा व अन्य सहयोगियों की रैली में 'आये हुए' व भाजपा की ठंडी रैली में 'लाए हुए' लोगों में क्या अंतर है।

भाजपा की रैलियों में खाली सीटें बता रही हैं कि 2022 के चुनाव के बाद नयी विधानसभा में भी भाजपा की सीटें खाली रहेंगी।

Translate Tweet

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

पिछड़ों-दलितों का इंक़लाब होगा ~ बाइस में बदलाव होगा

#बाइस_में_बाइसिकल
#नयी_हवा_है_नयी_सपा_है
#बड़ों_का_हाथ_युवा_का_साथ

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र के जौनपुर में भूख व बेकारी से त्रस्त एक नेत्रहीन विधवा की तीन बेटियों की आत्महत्या की ख़बर बेहद दुखदाई है। भाजपा सरकार में अगर रत्ती भर भी संवेदना है तो वो नेत्रहीन माँ के आजीवन भरण-पोषण का प्रबंध करे।

भाजपा सरकार को अब अपने झूठे कीर्तिमानों के होर्डिंग उतरवा लेने चाहिए।

Translate Tweet

दैनिक भास्कर

घर के हालात ठीक नहीं, मां का ख्याल रखना...:
जौनपुर में मरने से पहले बहन को किया था फोन, बोली- घर में फूटी कौड़ी नहीं है

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

अच्छा लगा उनसे मिलकर जिनके साथ धौलपुर के मिलिट्री स्कूल में पढ़ा और जीवन में अमल में लाना सीखा 'देश-प्रेम' और 'अनुशासन' का पाठ.

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

But I have promises to keep,
And miles to go before I sleep,
And miles to go before I sleep....

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र में अपनी हार सामने देखकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में खलबली मच गयी है, इसीलिए हर हफ़्ते कोई न कोई दौड़ा चला आ रहा है। उप्र में भाजपा की हार का डर जितना बढ़ेगा, उतने ही उप्र में भाजपा के नेताओं के दौरे भी बढ़ेंगे।

उप्र की जनता लखीमपुर की जीप में भाजपा का पराजय जुलूस निकालेगी।

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 64 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

चल पड़ा है बदलाव का बवंडर
झूठ की इमारत हो जाएगी खंडहर

समाजवादी पार्टी

#2022
आ रहे हैं
अखिलेश